अर्धवार्षिक परीक्षा

V

कक्षा - दसवीं

विषय- हिन्दी

समय- 3 घंटे पूर्णांक - 50

नोट- सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है ।

प्रश्न क्र. 1 में 5 अंक, प्र.क. 2 से 5 तक 1-1 अंक, 6 से 12 में 2-2 अंक, प्र.क.13 से 17 में 4-4 अंक तथा प्र.क्र. 18 में 7 अंक निर्धारित हैं ।

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए -

1) वीरनारायण सिंह को अपने पूर्वजों से कौन-कौन से गुण प्राप्त हुए थे -
   अ) अन्याय व शोषण का विरोध ब) धैर्य व साहस
   स) नेतृत्व क्षमता द) लोकप्रियता

2) धुधुवा शब्द का आशय है -
   अ) कोयल ब) कौआ स) उल्लू द) कबूतर

3) गृह-प्रवेश के कवि के मन की व्यथा क्या है -
   अ) अकेलापन ब) गरीबी स) बेरोजगारी द) घर की कमी

4) सिकुमार के पिता का नाम क्या है -
   अ) रामशरण ब) रामचरण स) राम सेवक द) रामदहन

5) एक था पेड़ एक था ढूँढ पाठ किस विधा में लिखा गया है -
   अ) निबंध ब) कहानी स) संस्मरण द) एकांकी

प्रश्न 2. कविता में किस प्रकार की सृष्टि रचने की मृदुल कल्पना की गई है ?

प्रश्न 3. सिकुमार किसान से मजदूर कैसे बन गया ?

प्रश्न 4. सूनापन दूर करने के लिये कवि कौन-कौन से उपाय करता है ?

प्रश्न 5. मायका और ससुराल के बीच की स्थिति को कवि पातर प्राण क्यों कहा है ?

प्रश्न 6. बाँस के हरे-भरे पेड़ और ढूँढ के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है ?

प्रश्न 7. सुसकता आवत होही भैया मोर पंक्ति के अनुसार दुल्हन की मनोदशा का उल्लेख कीजिए ।

प्रश्न 8. कोशल में आयोजित होने वाले उत्सव के परंपरागत नियम क्या थे ?

प्रश्न 9. तुरतुरिया नामक स्थल क्यों प्रसिद्ध है ?

प्रश्न 10. वीर नारायण सिंह की विद्रोह की रणनीति क्यों असफल हुई ?

प्रश्न 11. पुरस्कार कहानी प्रेम और संघर्ष का अनूठा उदाहरण है । इस कथन के पक्ष में अपने विचार दीजिए ।

प्रश्न 12. महादेवी वर्मा को अन्य विद्यार्थियों की अपेक्षा घीसा ही क्यों याद रहा ?

प्रश्न 13. मधुलिका ने पुरस्कार के रुप में प्राणदण्ड क्यों मांगा एवं स्वयं बंदी अरुण के पास जाकर क्यों खड़ी हो गई ?

https://www.cgboardonline.com

प्रश्न 14. निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या कीजिए-

कंधे डाल दूँ तो गजब हो जाए, दुनियाँ लड़खड़ाकर गिर पड़े, जमाने का दौर बंद हो जाए । पर मैं कंधे नहीं डालता, न डालूंगा । मैंने निरंतर निर्माण किया है, विध्वंस न करुंगा यदि करना हुआ तो पुनर्निर्माण करुंगा जिसके लिए मुझे थकान महसूस नहीं होती, कभी अलकस नहीं लगती रोआँ रोआँ फड़कता रहता है ।

अथवा

बीमारियाँ बहुत देखी है – निमोनिया, कॉलरा, कैंसर, जिसने लोग मरते हैं मगर यह टैक्स की कैसी बीमारी है जिससे वे मर रहे हैं। वे पूरी तरह से स्वस्थ और प्रसन्न थे। तो क्या इस बीमारी में मजा आता है ? यह अच्छी लगती है जिससे बीमार तगड़ा हो जाता है।

प्रश्न 15. निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या कीजिए–

मुँह धुधुवा असन फुलोवौ झन, कोइली अस कुहकौ बगिया म,
चंदा अस मन सुरुज कस तन, जिनगी महके फुल बगिया म,
भेंटौ तो हाय लपक जाए, गुँगवावत मया भभक जाए।

अथवा

निर्भर कहता है बढ़े चलो, तुम पीछे मत देखो मुड़कर।
यौवन कहता है बढ़े चलो, सोचो मत क्या होगा चलकर।
चलना है केवल चलना है, जीवन चलता ही रहता है।
मर जाना है रुक जाना ही, निर्झर यह झरकर कहता है।

प्रश्न 16. दुर्ग नगर निगम के अध्यक्ष के पास एक शिकायती पत्र लिखिए जिसमें मोहल्ले की सफाई न होने के संबंध में शिकायत की गई हो।

अथवा

परीक्षाकाल में ध्वनि विस्तारक यंत्र पर रोक लगाने हेतु जिलाधीश को आवेदन पत्र लिखिए।

प्रश्न 17. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा गद्यांश के अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

हिंसा से मनुष्यत्व मर जाता है। लाखों वर्षों में मनुष्य पशुता से मनुष्यता की ओर आया। हम उसे फिर पशुता की ओर मोड़ना नहीं चाहते। हिंसा भी दो प्रकार की होती है – एक संगठित हिंसा, दूसरी असंगठित हिंसा। संगठित हिंसा के द्वारा जब हम किसी समस्या को हल करना चाहते हैं, तो उनमें भी नियमों का पालन करना पड़ता है। पर असंगठित हिंसा में कोई नियम नहीं रहता। आदमी मनुष्यता से गिरकर पशुवत् व्यवहार पर उतर आया है।

प्रश्न अ) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

ब) गद्यांश का सारांश लिखिए।

https://www.cgboardonline.com

प्रश्न 18. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

1) बेरोजगारी की समस्या
2) नक्सलवाद और छत्तीसगढ़
3) महँगाई की समस्या
4) जीवन में खेलों का महत्व
5) विज्ञान के बढ़ते चरण